इन नयनों में बाबा एक तुम्हारी ही सूरत
इस दिल में बस एक तुम्हारा ही नाम
यादों में बस तुम्हारा ही ख्याल
कर दिया है बाबा तुमने ऐसा कमाल
रात दिन सुबह शाम होंठो पर बस एक की नाम
मेरा तो एक शिव बाबा दूजे से न कोई काम

करते हो अपनी रूहानी दृष्टि से हमें निहाल
दुःख सब भूल हो जाते बन जाते हम रूहानी गुलाब
दिल में बसाया है ऐसे जैसे हो सिकिलदे लाल
खुशियों से भर दी है झोली सदगुणों से किया निखार
हो गए हम सम्पन्न हीरे ,मोतियों ,ज्ञान, शक्तियों से भर मार
एक तेरे सिवाय अब मिलें न कोई ठोर न ठिकाना हुआ बेसार संसार

बेहद के वैरागी बने हम अनासक्त हो करते प्यार
मिला है एक बाप में प्रेम सम्बन्ध का अनूठा एहसास
कल्प कल्प की यादगार बनेगी इस मिलन की मीठी अनुभूतियाँ अब
मंदिरों मज़जिदों गिरजाघरों में पूजा होगी

बेशुमार
धरती पर चमकेंगे चैतन्य सितारें ब्रह्मा चंद्रमा के साथ
रिम -झिम रिम -झिम होगी फिर ज्ञान सूर्य के साथ रहू रिहान

एक पल की रूहानी दृष्टि ने किया यह कमाल
बाबा हम हो गए इन नयनों से बिलकुल निहाल
अब एक बाबा ही नज़र आता है जो देखे हमें
बसा लिया है इन नयनों में तुम्हारा मीठा सा दुलार
मेरा बाबा ,प्यारा बाबा , मीठा बाबा, मुख से निकले
हर आत्मा के दिल से आये यही अनहद आवाज़

ॐ शांति!!
निर्मला जी!!